आज ता: १२-१-५२ को एक पंचायत हुवा
पंचायत [illegible] झगड़ा काचा भाइ मे सीताराम
गोबीन्द रामजतन का था यह झगड़ा बहुत
दीन से चला आता था आज के दिन में तीनों भाइ
आपना आपना कहना पुछना जो कुछ था उस
को तीनो भाइ लिख कर दिये जिसमें पंच यही
फैसला कीया की मांता पिता के काम कीरीया
में जो खर्च हुवा है सो तीनों भाइ को बराबर
बराबर हींसा देना होगा वो उसके बाद
में तब मांता पिता के जायदाद वो चीज को
हींसा तीनों भाइ को बराबर बराबर मीलेगा
वो अगर खर्च नही देंगे तो हींसा नही
मीलेगा इस में तीनों भाइ सब पंच के
सामने मंजूर कीया रुपये हीसाब पंच के
सामने दीया सब पंच मंजूर कीये रुपया का
हीसाब नीचे है पीता के कीरीया में खर्च
५७२॥३ पांच सौ बहत्तर दस आना
माता के कीरीये मे खर्च ४८९)। चार सौ
नवासी सवा चार आना है जमा १०६१॥।-)
दस सौ एकसठ सवा चौदह आना है

बरतन ३२ ठो बत्तीस ठो है उस कागज में
सब का सही है चीज जो बंधीक है।
और जो पास में है

चुड़ी चांदी का ५ पांच है चांदी का हसुली १
एक बंधीक है २५) पचीस रुपया जीसका

कतौसी सोना का दो और कुतफी एक है
जो ६०) साठ रुपया में बंधीक है
पुराना रुपया ४०) चालीस है।

१ सही बीरजू साहु
२ बिहारी लाल
३ रामराय

ठेपा रामसर

टहली साव

ठेपा जगेसर

नगमार
रामचन्द्र साव
शीताराम साव
गोबिन्द साव
रामजतन साव

ठेपा फुचा साहु

बा: बीरजू साहु
बा: रखा:
सब को पढ़कर सूना दीया
बा: बीरजू साहु